

श्रीवल्लभ पुं. (तत्.) 1. दे. श्रीवर 2. श्री वल्लभाचार्य
3. धनी व्यक्ति 4. सौभाग्यशाली।

श्रीविद्या स्त्री. (तत्.) 1. दश महाविद्याओं में से एक 2. बाला त्रिपुरसुंदरी।

श्रीवृद्धि स्त्री. (तत्.) 1. शोभावृद्धि 2 संपन्नता, संपत्ति की बहुलता।

श्रीवैष्णव पुं. (तत्.) 1. विशिष्टाद्वैत संप्रदाय के प्रवर्तक श्रीरामानुजाचार्य 2. उनके अनुयायी।

श्रीश पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीसहोदर पुं. (तत्.) चंद्रमा, अमृत।

श्रीहत वि. (तत्.) 1. श्रीहीन 2. शोभाहीन 3. कुरूप 4. अभागा।

श्रुग्वारु पुं. (तत्.) विकंकत नामक वृक्षविशेष (संभवतः ओषधीय वनस्पति)।

श्रुघ्निका स्त्री. (तत्.) क्षारीय मिट्टी पर बने मकान की दीवारों पर दिखाई देने वाले क्षार-कण, शोरा, खार, सज्जी।

श्रुत वि. (तत्.) 1. सुना हुआ 2. ज्ञात 3. सीखा हुआ 4. प्रसिद्ध।

श्रुतकीर्ति वि. (तत्.) जिसकी कीर्ति सर्वत्र सुनी जा रही हो, यशस्वी, उदार स्त्री. शत्रुघ्न की पत्नी का नाम।

श्रुतकेवली वि. (तत्.) जैन. आत्मज्ञानी।

श्रुतज्ञान पुं. (तत्.) जैन. 1. शब्द से उत्पन्न अर्थ का ज्ञान 2. महात्माओं के व्याख्यानों का अर्थ।

श्रुतदेवी स्त्री. (तत्.) सरस्वती।

श्रुतधर वि. (तत्.) जिसे सुना हुआ या पढ़ा हुआ स्मरण हो।

श्रुतलेख पुं. (तत्.) सुने हुए या किसी के द्वारा पढ़े या बोले हुए (वाक्यों, पद्यों आदि) को लिखना, इमला। dictation

श्रुतशील वि. (तत्.) जिसका शील विख्यात हो, चरित्रवान्।

श्रुताध्ययन पुं. (तत्.) वेदों का अध्ययन।

श्रुतानुश्रुत वि. (तत्.) सुना-सुनाया, अफवाह, किंवदंती।

श्रुति स्त्री. (तत्.) 1. सुनने का भाव या कार्य, श्रवण 2. कान, श्रवणेंद्रिय 3. मौखिक बात जैसे-संवाद, समाचार आदि 4. ध्वनि 5. शब्द 6. वेद (कुछ विद्वानों के मत में केवल मंत्रभाग ही श्रुति है परंतु कुछ विद्वान इसमें ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद् ग्रंथों का भी समावेश कर लेते हैं 7. वेदों का ज्ञान 8. संगी. सप्तक का एक प्रभेद, स्वर का चौथाई भाग (कुछ के मत में आधा या तिहाई भाग) 9. श्रवण नामक नक्षत्र।

श्रुतिकटु वि. (तत्.) कर्णकटु, सुनने में अप्रिय या कठोर।

श्रुतिकटु दोष पुं. (तत्.) काव्य का एक दोष जिसके अनुसार रसनिष्पत्ति में अनुपयुक्त वर्णों के प्रयोग से बाधा आती है जैसे- शृंगार, हास्य के वर्णन में कठोर वर्णों या रौद्र वर्णन में कोमलकांत पदावली का प्रयोग।

श्रुतिगम्य वि. (तत्.) जो सुना जा सके।

श्रुतिगोचर वि. (तत्.) दे. श्रुतिगम्य।

श्रुतिद्वैध पुं. (तत्.) वेदों में वर्णित परस्पर विरोधी वचन।

श्रुतिधर वि. (तत्.) 1. वह जिसे वेदमंत्र कंठस्थ है 2. वेदों का महान विद्वान 3. वह जो किसी बात (श्लोक, काव्य आदि) को सुनकर ही याद कर लेता है।

श्रुतिधरता स्त्री. (तत्.) श्रुतिधर होने का गुण दे. श्रुतिधर।

श्रुतिधारी वि. (तत्.) दे. श्रुतिधर।

श्रुतिनिधि पुं. (तत्.) वेदों का ज्ञाता, वेदज्ञ।

श्रुतिपथ पुं. (तत्.) 1. वेदों द्वारा निर्दिष्ट मार्ग (जीवन पद्धति) 2. कान।

श्रुति-पद्धति स्त्री. (तत्.) वेदोक्त रीति।

श्रुति-पुट पुं. (तत्.) कान का बाहरी भाग।